रिकॉर्ड फसल से बढ़ सकती है शुगर इंडस्ट्री की मुश्किल: पवार

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में अगले साल शुगर प्रॉडक्शन ज्यादा होने का अनुमान

[जयश्री भोसले । पुणे]

महाराष्ट्र की शुगर इंडस्ट्री से जुड़े पुराने दिग्गज शरद पवार का कहना है कि भारत में अगले साल गन्ने की रिकॉर्ड फसल हो सकती है। इससे शुगर इंडस्ट्री की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। लगातार दो साल तक शुगर का प्रॉडक्शन कम रहने के बाद इंडस्ट्री को 2018-19 में शानदार फसल रहने की उम्मीद है। हालांकि, इंडस्ट्री से जुड़ी प्राइवेट संस्था इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने एक बयान में कहा था कि अगले साल के शुगर प्रॉडक्शन के बारे में अनुमान लगाना अभी जल्दबाजी होगी, क्योंकि अभी काफी हद तक रोपाई नहीं हुई है। अगले साल अच्छी फसल की संभावना के कारण शुगर की कीमतों में गिरावट का ट्रेंड है।

पवार ने पुणे में कहा, 'अगले साल उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र दोनों राज्यों में शुगर प्रॉडक्शन काफी ज्यादा होगा। सोलापुर जैसे महाराष्ट्र के कुछ जिले तो इस फसल का रिकॉर्ड बना सकते हैं। इंडस्ट्री को अभी से ही प्लानिंग करनी पड़ेगी।' उन्होंने बताया, 'लंबा पेराई सीजन चलाने के लिए फैक्ट्रियों को तैयार रहना पड़ेगा। अगर हम थोड़ा भी गन्ना बिना पेराई के बर्बाद नहीं करने देना चाहते, तो हमें पेराई का काम काफी जल्दी शुरू करना पड़ सकता है। मिलों को ऑपरेशन कॉस्ट कम करनी होगी।'

इस सेक्टर को सपोर्ट करने के लिए देश की शुगर इंडस्ट्री मांग से जुड़े कई उपायों के लिए तैयार हो रही है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट रोहित पवार ने बताया, 'इंपोर्ट ड्यूटी में बढ़ोतरी से पाकिस्तान से शुगर के सस्ते इंपोर्ट के आसार को रोकने में मदद मिलेगी।'

नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज के चेयरमैन दिलीप वालसे पाटिल ने बताया, 'हमने इंपोर्ट ड्यूटी को मौजूदा 50 फीसदी से बढ़ाकर 70 फीसदी करने और एक्सपोर्ट पर 20 फीसदी ड्यूटी खत्म करने की मांग की है।' पाटिल ने बताया कि इंडस्ट्री ने शुगर की कीमतों में गिरावट के ट्रेंड को रोकने के लिए इसका बफर स्टॉक तैयार करने की मांग की है।

- **पवार** के मुताबिक, रिकॉर्ड पैदावार को देखते हुए इंडस्ट्री को अभी से प्लानिंग करनी पड़ेगी
- नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज ने इंपोर्ट ड्यूटी को मौजूदा 50 फीसदी से बढ़ाकर 70 फीसदी करने और एक्सपोर्ट पर 20 फीसदी ड्यूटी खत्म करने की मांग की है
- इंडस्ट्री से ही जुड़ी एक प्राइवेट संस्था का कहना है अभी काफी हद तक रोपाई नहीं हुई है इसलिए प्रॉडक्शन के बारे में कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी
- पवार का कहना कि अगर गन्ना बिना पेराई के बर्बाद नहीं करने देना चाहते, तो अगले सीजन में हमें पेराई का काम काफी जल्दी शुरू करना पड़ सकता है
- इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन का कहना है कि इंपोर्ट ड्यूटी में बढ़ोतरी से पाकिस्तान से शुगर के सस्ते इंपोर्ट के आसार को रोकने में मदद मिलेगी